समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

डॉक्टर पर हमले के बाद बड़ा फैसला : शिवसेना नेता की मारपीट से डरे डॉक्टर ने दिया इस्तीफा, कहा- "अब कभी वापस नहीं लौटूंगा"

Sanket Morankar Published on 09 Jul 2026

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के नगरसेवक **रमेश म्हात्रे** पर कथित हमले के बाद पीड़ित डॉक्टरों में से एक ने डर के कारण नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। डॉक्टर ने कहा कि उन्होंने शहर छोड़ दिया है और अब कभी वापस नहीं लौटेंगे।

डॉक्टर ने मीडिया से बातचीत में कहा, "**मैनें इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मुझे अपनी सुरक्षा का डर है। गुंडे हमारी निगरानी कर रहे है। मै शहर छोड़ चुका हूं और अब कभी वहां वापस नहीं जाऊंगा। बाकी डॉक्टर काम जारी रख सकते है, लेकिन मै नहीं।**"

क्या है पूरा मामला ?

यह घटना **6 जुलाई 2026** को डोंबिवली स्थित **शास्त्री नगर अस्पताल** में हुई थी, जिसे कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (KDMC) संचालित करता है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अस्पताल की **नवजात गहन चिकित्सा इकाई (NICU)** पूरी तरह भरी हुई थी। ऐसे में दो डॉक्टरों ने एक नवजात के परिजनों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर करने की सलाह दी।

इसके बाद परिजनों ने नगरसेवक रमेश म्हात्रे को बुलाया। आरोप है कि वह अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों तथा स्टाफ के साथ बहस के बाद मारपीट की।

वायरल वीडियो में दिखा हमला

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें रमेश म्हात्रे एक महिला डॉक्टर के हाथ से मोबाइल फोन झटकते और

बाद में अन्य डॉक्टरों व अस्पताल कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की करते दिखाई दिए। इस हमले में एक डॉक्टर घायल भी हुआ।

आरोपी नेता ने नहीं जताया पछतावा

रमेश म्हात्रे ने डॉक्टरों पर हमला करने के आरोप से इनकार किया है। उनका कहना है कि उन्होंने महिला डॉक्टर पर हमला नहीं किया, बल्कि केवल उनका मोबाइल हटाया क्योंकि वह उनकी बात नहीं सुन रही थीं।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि डॉक्टर अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं, तो वह भी खेद व्यक्त करने पर विचार करेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि उनका उद्देश्य मरीज और नवजात की जान बचाना था।

पुलिस की कार्रवाई

घटना के बाद पुलिस ने रमेश म्हात्रे और उनके पांच साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने बुधवार को रमेश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उनकी तबीयत बिगड़ने की शिकायत पर उन्हें ठाणे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह मामला डॉक्टरों की सुरक्षा और अस्पतालों में हिंसा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। डॉक्टर संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.